फ़रवरी 2023 वर्ष 2, अंक 2

दयालबाग़ एजूकेशनल इन्स्टीट्यूट (डीम्ड टु बी यूनिवर्सिटी)

डी.ई.आई. मासिक समाचार

"लाखों वर्षों तक, मानव जाति जानवरों की तरह ही रही है। तभी कुछ ऐसा हुआ जिसने हमारी कल्पना शक्ति को खोल दिया। हमने बात करना सीखा और हमने सुनना सीखा। भाषण ने विचारों के संचार की अनुमति दी, मनुष्य को एक साथ काम करके असंभव को बनाने के लिए सक्षम किया। मानव जाति की सबसे बड़ी उपलब्धियां बात करने से आई हैं, और सबसे बड़ी असफलताएं बात न करने से। ऐसा होना जरूरी नहीं हैं। हमारी सबसे बड़ी उम्मीदें भविष्य में हकीकत बन सकती हैं। हमारी व्यवस्था में प्रौद्योगिकी के साथ, संभावनाएं असीमित हैं। हमें बस यह सुनिश्चित करना है कि हम बात करते रहें।"

– स्टीफन हॉकिंग

खंड

खंड क : डी.ई.आई. 3

खंड ख : डी.ईआई. - ओ.डी.ई. (डी.ई.आई. ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा) 6

खंड ग : डी.ई.आई. के भूतपूर्व छात्र (AADEIs & AAFDEI) 10

दयालबाग़ एजुकेषनल इंस्टीट्यूट
(डीम्ड टु बी यूनिवर्सिटी)
दयालबाग़, आगरा– 282005

विषय-सूची

खंड क: डी.ई.आई.

1. गणतंत्र दिवस समारोह 3
2. प्रतिष्ठित व्याख्यान माला के भाग के रूप में आयोजित व्याख्यान..3
3. डीईआई का स्थापना दिवस उत्साह के साथ मनाया गया 4
4. जर्मन संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने डी.ई.आई. में सौर कृषि फार्म का भ्रमण किया 4
5. संकाय समाचार 4
विज्ञान संकाय 4
डी.ई.आई. टेक्निकल कॉलेज 5
6. विद्यालय समाचार 5
डी.ई.आई. प्रेम विद्यालय इंटरमीडिएट स्कूल 5

खंड ख : डी.ई.आई. – ओ.डी.ई. (डी.ई.आई. ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा)

7. कोऑर्डिनेटर की डेस्क से 6
8. सूचना केंद्रों से समाचार 7
संस्थापक दिवस समारोह 2023 7

खंड ग: डी.ई.आई. के भूतपूर्व छात्र (**AADEIs & AAFDEI**)

9. संपादक की डेस्क से 9
10. वन्यजीव फोटोग्राफी के माध्यम से जीव विज्ञान के संरक्षण के प्रति जागरूकता 10
11. गहन श्रवण में प्रकृति का योगदान 10
12. सलाह उत्कृष्टता कार्यक्रम: एक प्रगति रिपोर्ट 11
13. पूर्व छात्र बाइट्स 12
प्रकाशन समितियाँ / सम्पादकीय बोर्ड 12

खण्ड 'क' : डी.ई.आई.

गणतंत्र दिवस समारोह

संस्थान में महामारी के नियमों का सख्ती से पालन करते हुए देश का 74 वां गणतंत्र दिवस बेहद शालीनता और गंभीरता के साथ मनाया गया। क्योंकि यह अवसर इस वर्ष शुभ बसंत त्योहार के साथ आया था, इसलिए इस उत्सव पर डी.ई.आई. परिवार के बीच बहुत अधिक उत्साह और जुनून देखा गया। श्री गुरु सरुप सूद (आई डी ए एस–सेवानिवृत्त), अध्यक्ष, राधास्वामी सत्संग सभा, और दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। मुख्य अतिथि के समक्ष गार्ड ऑफ ऑनर प्रस्तुत करने, ध्वजारोहण, राष्ट्रगान प्रस्तुत करने, और संत (सुपरमैन) विकास योजना और डी.ई.आई. नर्सरी और प्ले सेंटर के प्रतियोगियों द्वारा ग्रैंड मार्च पास्ट जैसी गतिविधियों की सामूहिक प्रस्तुति के अलावा, विभिन्न स्कूलों द्वारा इस दोहरी खुशी को व्यक्त करने के लिए डी.ई.आई. के कॉलेजों, संकायों और व्यावसायिक कार्यक्रमों के साथ समन्वित होकर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। छात्रों ने जोशीले नाटकीय प्रदर्शनों, देशभक्ति गीतों, पी टी ड्रिल और भाव गीतों के माध्यम से सर्वोच्च बलिदान देने वाले देश के शहीदों को श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के दौरान दयालबाग का स्काउट गीत भी गाया गया। उत्सव का मुख्य आकर्षण रैपिड एक्शन फोर्स के सदस्यों द्वारा आत्मरक्षा ड्रिल की प्रेरक प्रस्तुति थी, जिसे दयालबाग प्राधिकरणों द्वारा लड़कियों और महिलाओं को विभिन्न प्रकार के खतरों और खतरे से निपटने के लिए प्रशिक्षित करने के लिए स्थापित किया गया है ।

गणतंत्र दिवस की सभा को संबोधित करते हुए, श्री सूद ने हमारे गतिशील संविधान की मुख्य विशेषताओं पर संक्षेप में प्रकाश डालते हुए उन लोगों को याद किया जिन्होंने भारत के गौरव को वापस पाने के लिए बलिदान दिया। उन्होंने छात्रों से भारत के सक्षम नागरिक बनने का प्रयास करने का आग्रह किया और उनके साथ की सामाजिक संरचना की मजबूत नींव बनाने वाले एरिस–डेमो (ऊंचे दर्जे के व्यक्तियों की आत्मा और लोकतंत्र का अभिजात वर्ग) के सिद्धांत के महत्त्व को साझा किया। प्रो. पी के कालरा, निदेशक, डी.ई.आई.ने समाज के अंतिम, सबसे कम, सबसे निचले और खोए हुए वर्गों की सेवा करने में संस्थान के नवीनतम कार्यों और प्रयासों को साझा किया और छात्रों को इस उच्च उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए सक्रिय योगदानकर्ता बनने के लिए प्रेरित किया। धन्यवाद ज्ञापन के बाद संस्थान गीत के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ।

प्रतिष्ठित व्याख्यान माला के भाग के रूप में आयोजित व्याख्यान

दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी) प्रतिष्ठित व्याख्यान माला (आर.ई.आई. की पूर्ववर्ती हीरक जयंती स्मृति व्याख्यान माला) में सत्र 2022 – 2023 के लिए दो व्याख्यान आयोजित किए गए। 17 दिसंबर 2022 को, श्री विजय कुमार थल्लम, आई.ए.एस. (सेवानिवृत्त), कार्यकारी उपाध्यक्ष, रयथु साधक संस्था (किसान अधिकारिता के लिए एक सरकारी निगम) और पदनिवृत विशेष मुख्य सचिव (प्राकृतिक खेती), कृषि और सहकारिता विभाग, आंध्र प्रदेश सरकार ने एक आमंत्रित वार्त्ता प्रस्तुत की। उन्होंने ," फार्मिंग इन हारमनी विथ नेचर –फॉर people एंड द प्लेनेट –ए सोल्युशन फॉर multiple एमरजेंसीजः Lesson फ्रॉम ए. पी. कम्युनिटी मैनेज्ड नेचुरल फार्मिंग" विषय पर वक्तव्य प्रस्तुत किया। यह व्याख्यान सिस्टम्स सोसायटी ऑफ इंडिया (एसएसआई) के साथ संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था।

7 जनवरी 2023 को, डॉ. माइकल ग्रब, ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन के प्रोफेसर, यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन, यूके ने " एनर्जी, क्लाईमेट एंड द इकोनोमिक्स ऑफ इनोवेशन" विषय पर एक व्याख्यान दिया। यह व्याख्यान सोसाइटी फॉर प्रिज़र्वेशन ऑफ हेल्दी एनवायरनमेंट एंड इकोलॉजी एंड हेरिटेज ऑफ आगरा (SPHEEHA), द (दयालबाग) राधास्वामी सतसंग एसोसिएशन ऑफ यूरोप प्रॉपर्टी होल्डिंग चौरिटेबल इनकॉर्पोरेटेड ऑर्गनाइजेशन (डी आर एस ए ई सी आई ओ) और सिस्टम्स सोसाइटी ऑफ इंडिया (एस एस आई) के साथ संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था।

डी.ई.आई. का स्थापना दिवस उत्साह के साथ मनाया गया

गत वर्षों की तरह, परम श्रद्धेय डॉ. एम.बी. लाल साहब संस्थापक दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी) की जयंती 31 जनवरी को संस्थापक दिवस के रूप में मनाई गई। अभी भी छिपी हुई महामारी से संबंधित सभी सावधानियों के बीच, संस्थान ने अपने मुख्यालयों के साथ–साथ दुनिया भर के संबद्ध केंद्रों में शिक्षा की विभिन्न गतिविधियों की एक झलक पाने के लिए अपने भवनों, प्रयोगशालाओं और सुविधाओं को आगंतुकों के लिए खोल दिया। डी.ई.आई. संस्थान ने अपने सभी शैक्षणिक कार्यक्रमों और खंडों में पर्याप्त नीतियों, अनुकूल कार्य संस्कृति, स्थायी दृष्टिकोण और नवीन अनुसंधानिक बुद्धि का एक जीवंत अवलोकन प्रदान करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया। आसपास का हरेक कोना अच्छी तरह से सजाया गया था जो छात्रों के साथ–साथ संकाय सदस्यों के शैक्षणिक प्रयासों की सफलता की कहानियों को प्रदर्शित करता था। केंद्रीय खेल के मैदान में आयोजित विशाल प्रदर्शनी में मॉडलों, प्रदर्शनों, उत्पादों और प्रस्तुतियों की एक प्रभावशाली श्रृंखला प्रदर्शित की गई ,जहाँ डी.ई.आई. के विविध कार्यक्रमों और उपक्रमों की पूरी श्रृंखला देखी गई। जहाँ खेलों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और फूड स्टॉल ने कार्यक्रम में कार्निवल जैसा मनोरंजन प्रदान किया, वहीं भक्ति संगीत की मधुर धुनों ने परिसर को एक आध्यात्मिक आभा प्रदान की। शाम को, संस्थान के सभी भवनों को समारोह का चरमोत्कर्ष प्रदान करने के लिए मंत्रमुग्ध कर देने वाली रंगीन रोशनी से सजाया गया था।

जर्मन संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने डी. ई.आई. में सौर कृषि फार्म का भ्रमण किया

जर्मन बुंडेस्टाग की बजट समिति के अध्यक्ष और कुछ सदस्यों के एक प्रतिनिधिमंडल ने 12 फरवरी 2023 को दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट के डेयरी परिसर में सौर–कृषि फार्म का भ्रमण किया। यात्रा का उद्देश्य डी.ई.आई. में सौर कृषि फॉर्म को एकीकृत सौर कृषि खेती की सफलता की कहानी के रूप में देखना था। वे दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट द्वारा कार्यान्वित कृषि, स्वास्थ्य देखभाल आवास और सतत् विकास पहल के समुदाय–आधारित मॉडल में भी रुचि रखते थे।

यह यात्रा इंडो–जर्मन एनर्जी फोरम और नेशनल सोलर एनर्जी फेडरेशन ऑफ इंडिया की संस्तुति पर हुई थी। कर्मचारियों और छात्रों द्वारा यू.एन.डी.पी सतत् विकास लक्ष्यों, अनुसंधान प्लेटफार्मों सहित अनुसंधान और विकास और डी.ई.आई की शिक्षा की अभिनव योजना के अनुसरण में विभिन्न प्रकार की गतिविधियों को प्रदर्शित करने वाली एक विस्तृत प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था। समिति ने दयालबाग में क्रियान्वित सौर कृषि फार्म, जिसे एग्रीवोल्टाइक्स के नाम से जाना जाता है, की अवधारणा की बहुत सराहना की और इसके बारे में कई प्रश्न उठाए, जिनका विधिवत् उत्तर दिया गया। वे दयालबाग में लागू कृषि के कौशल, समुदाय आधारित मॉडल, स्वास्थ्य देखभाल, आवास और सतत् विकास पहल से अत्यंत प्रभावित थे। प्रो. हेल्ज ब्राउन, प्रतिनिधिमंडल के अध्यक्ष, ने निम्नलिखित संदेश दिया, जिस पर प्रतिनिधिमंडल के सभी सदस्यों ने हस्ताक्षर किए–

''आपके काम में अद्‌भुत अंतर्दृष्टि के लिए धन्यवाद। यह सर्वोत्तम शिक्षा और उच्च श्रेणी के शोध करके अच्छे भविष्य का रास्ता दिखाता है।''

संकाय समाचार

विज्ञान संकाय

संकाय समाचार

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग– विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान (डी एस टी–एस ई आर बी) से एक कोर रिसर्च ग्रांट (एक्सपोनेंशियल टेक्नोलॉजीज के तहत) भौतिकी और कंप्यूटर विज्ञान विभाग के डॉ. शिरोमन प्रकाश और डॉ. दयालप्यारी श्रीवास्तव को प्रदान की गई है। यह परियोजना ''मैजिक स्टेट डिस्टीलेशन विथ क्यूडिट्स'' की हकदार है, और इसका उद्देश्य विषम प्रधान आयाम के क्यूडिट्स का

उपयोग करके दोष–सहिष्णु क्वांटम संगणना के लिए गणितीय दृष्टिकोण का अध्ययन करना है। यह परियोजना दयालप्यारी श्रीवास्तव, विशाल साहनी और प्रेम सरन सतसंगी के प्रसिद्ध पेपर ''फ्रॉम एन–क्यूबिट मल्टी–पार्टिकल क्वांटम टेलीपोर्टेशन मॉडलिंग टू एन–क्यूडिट कॉन्टेक्स्चुअलिटी बेस्ड क्वांटम टेलीपोर्टेशन एंड बियॉन्ड'' से प्रेरित है, जो इंटरनेशनल जर्नल ऑफ जनरल सिस्टम्स– खंड 46, 2017 – अंक 4 में प्रकाशित हुआ है।

छात्रोप्लब्धियाँ :

21 से 23 जनवरी 2023 तक स्वयं विकास एवं पर्यावरण संरक्षण समिति (SVPSS), प्रयागराज, आगरा कॉलेज और महाराजा अग्रसेन हिमालयन गढ़वाल विश्वविद्यालय (MAHG), गढ़वाल, उत्तराखंड द्वारा आगरा में स्थिरता, खाद्य सुरक्षा और आजीविका के लिए कृषि और संबद्ध विज्ञान (GAASFSL-2023) में वैश्विक दृष्टिकोण पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में वनस्पति विज्ञान विभाग के शोधार्थी कृष्णकांत, नवनीत कौर और शालू गुप्ता ने प्रतिभागिता प्रदान की। कृष्णकांत ने "इफेक्ट ऑफ एलोवेरा एक्सट्रेक्ट ऑफ द कल्टीवेशन प्रैक्टिसेज रोजा दमस्सेना मिल (द मास्क रोज)।" पर एक मौखिक प्रस्तुति दी और सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार जीता। शालू गुप्ता ने ''फोलियर एप्लिकेशन ऑफ़ स्पर्मिडाइन कन्फर्स सॉल्ट स्ट्रेस रेजिलिएशन इन एंड्रोग्राफिस पैनिकुलता एन ई ई एस'' पर एक पोस्टर प्रस्तुति प्रस्तुत की और सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार जीता। नवनीत कौर ने'' इफेक्ट ऑफ़ फोलियर एप्लिकेशन ऑफ़ नाइट्रिक ऑक्साइड कुरकुमा लोंगा एल अंडर सलिनिटी स्ट्रेस'' पर एक पोस्टर प्रस्तुति प्रस्तुत की और सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार जीता।

डी.ई.आई. टेक्निकल कॉलेज:

संकाय समाचार:

डॉ. नवीन के. देव को रिसोर्सेज कंज़र्वेशन्स, संरक्षण एंड रीसाइक्लिंग (एल्सेवियर जर्नल) में ''इंडस्ट्री 4.0 एंड सर्कुलर इकॉनोमी : ऑपरेशनल एक्सेल्लेंस फॉर सस्टेनेबल रिवर्स सप्लाई चौन परफॉरमेंस '' नामक उनके पेपर के लिए 'मोस्ट साइटिड आर्टिकल' के लिए एक पुरस्कार प्रदान किया गया। 1 फरवरी 2023 को जर्नल में प्रकाशित होने के बाद इस पेपर को तीन वर्षों में सबसे अधिक साइटेशन प्राप्त हुए।

विद्यालय समाचार:

डी.ई.आई. प्रेम विद्यालय इंटरमीडिएट स्कूल:

- 26 जनवरी 2023 को पुलिस लाइन आगरा में मार्चपास्ट के लिए बारहवीं कक्षा की सुश्री सलोनी सिंह एवं सुश्री विनीता कुमारी का चयन किया गया।
- 7 और 8 फरवरी 2023 को कला संकाय के संस्कृत विभाग द्वारा ''विभिन्न धर्मों में शब्द चेतना'' विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। डी.ई.आई. प्रेम विद्यालय की डॉ. आरती सिंह ने 'राधास्वामी मत में शब्द चेतना' शीर्षक पर शोधपत्र भी प्रस्तुत किया। इस अवसर पर एक प्रदर्शनी भी लगी जिसमें डी.ई.आई. प्रेम विद्यालय के गृह विज्ञान, वस्त्र और विज्ञान के छात्रों द्वारा विभिन्न प्रदर्शन प्रदर्शित किए गए।
- 3 फरवरी 2023 को संगीत विभाग द्वारा दयालबाग़ शिक्षण संस्थान में कथक नृत्य पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कथक नृत्यांगना विदुषी काजल शर्मा ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। इस कार्यशाला में प्रेम विद्यालय के छात्रों का उत्साहपूर्ण प्रदर्शन सराहनीय रहा।

खण्ड 'ख' : डी.ई.आई.–ओ.डी.ई. (डी.ई.आई. ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा)

कोऑर्डिनेटर की डेस्क से

आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (Organisation for Economic Cooperation and Development - OECD) वर्ष 2022 में 'बिल्डिंग द फ्यूचर ऑफ एजुकेशन – 2023' नामक एक पेपर के साथ सामने आया। पेपर निम्नानुसार तीन भागों में संरचित था :

1. बदलता परिवेश जिसमें शिक्षा दी जाती है: इसे पाँच उप–शीर्षकों के अंतर्गत माना जाता है:
   - (i) अनिश्चित भविष्य के लिए सीखना: शिक्षकों और शिक्षा नीति निर्माताओं के सामने ये चुनौतियाँ हैं: वे शिक्षार्थियों को उन नौकरियों के लिए कैसे शिक्षित कर सकते हैं जो अभी तक विकसित नहीं हुई हैं और उन तकनीकों का उपयोग कैसे करें जिनका अभी तक आविष्कार नहीं हुआ है। इस संदर्भ में आजीवन सीखना (Life-long learning) सभी के लिए एक अपेक्षा (expectation) बन गया है।
   - (ii) एक नए सामाजिक अनुबंध के लिए शिक्षा: असमानताओं को कम करने और समावेशी और लोकतांत्रिक समाजों के लिए मजबूत नींव बनाने की शिक्षा की अनूठी क्षमता को व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त है।
   - (iii) डिजिटल परिवर्तन: ए आई, क्लाउड कंप्यूटिंग, बिग डेटा, आई ओ टी, आभासी वास्तविकता (virtual reality) और डिजिटलीकरण के अन्य रूप मौलिक रूप से दुनिया को नया रूप दे रहे हैं।
   - (iv) शिक्षा के उद्देश्यों की फिर से कल्पना करना: संज्ञानात्मक मनोविज्ञान, तंत्रिका विज्ञान, मस्तिष्क अनुसंधान और सामाजिक मनोविज्ञान से बिल्डिंग ब्लॉक्स से बना एक नया "सीखने का विज्ञान" उभर रहा है जो शिक्षा प्रणालियों के लिए प्रमुख अवसर प्रदान करता है।
   - (v) शिक्षा और कौशल के विविध परिदृश्य: अब समाज में सीखने के अवसरों की पेशकश करने वाले विविध कार्यों की मान्यता है जिसमें परिवार, स्वास्थ्य और कल्याण प्रणाली, राजनीति, धर्म, सोशल मीडिया, नियोक्ता (employers) आदि शामिल हैं।

2. शिक्षा और कौशल में ओ ई सी डी के फोकस क्षेत्र: ओ ई सी डी के भीतर शिक्षा में अंतर–सरकारी सहयोग को सभी के लिए उच्च गुणवत्ता वाली आजीवन शिक्षा प्राप्त करने के उनके प्रयासों में न्यायालयों का समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जो व्यक्तिगत विकास, सतत आर्थिक विकास और सामाजिक सामंजस्य में योगदान देता है। ओ ई सी डी कार्य में इसे चार केन्द्रों (focal points) के माध्यम से स्पष्ट किया गया है:
   - शिक्षार्थियों के पास औपचारिक, गैर–औपचारिक और अनौपचारिक वातावरण में सीखने का अवसर और एजेंसी है।
   - शिक्षार्थियों को सक्षम और पेशेवर शिक्षकों द्वारा समर्थित किया जाता है।
   - शैक्षिक संस्थान उच्च गुणवत्ता, न्यायसंगत, लागत प्रभावी और नवाचार–अनुकूल तरीकों से सीखने के अवसर प्रदान करते हैं।
   - शिक्षा प्रणालियां समाज के लाभ के लिए आर्थिक और सामाजिक परिणाम प्रदान करती हैं।

3. शिक्षा और कौशल में ओ ई सी डी का भविष्य का काम: इसमें शामिल हैं:
   - (i) शिक्षा के सामाजिक लाभों को मजबूत करना
   - (ii) एक एकीकृत और संतुलित तरीके से सीखने का दृष्टिकोण, और
   - (iii) आजीवन सीखने को मार्गदर्शक अवधारणा बनाएं।

   OECD ने शिक्षा में भविष्योन्मुख कार्य के लिए निम्नलिखित तीन शर्तें निर्धारित की हैं :
   - (i) मानव सीखने (human understanding) की समझ में सुधार
   - (ii) औपचारिक (formal) शिक्षा से परे जाएं
   - (iii) शिक्षा में समानता और समावेश की अवधारणा को व्यापक बनाना

   OECD ने शिक्षा में नीति विकास के लिए दो अनिवार्यताओं को निर्धारित किया है, जैसे:
   - (i) शिक्षा में लागत दक्षता (Cost efficiency) में सुधार
   - (ii) शिक्षा के नवाचार (innovation) पर ध्यान दें।

DEI पहले से ही OECD द्वारा निर्धारित अधिकांश पूर्व–आवश्यकताओं को पूरा करता रहा है। उदाहरण के लिए, इसके आई सी टी सतत शिक्षा केंद्र में संकेतित प्रकार के कई लघु अवधि के कार्यक्रम हैं। एक बहुत मजबूत ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम में कई मॉड्यूल हैं जो उद्यमशीलता – और रोजगारोन्मुखी हैं।

DEI कई अन्य मामलों में भी एक बहुत ही खास HEI है। जैसा कि न्यूज़लेटर के पहले के विभिन्न अंकों में संकेत दिया गया है, यह एक नवाचार विश्वविद्यालय या एक व्यावसायिक विश्वविद्यालय (21 बी. वॉक (B.Voc) कार्यक्रमों और एम. वॉक कार्यक्रमों और 20 प्रमाणपत्र स्तर के व्यावसायिक कार्यक्रमों के साथ) या एक पारिस्थितिक (Ecological) विश्वविद्यालय (भूमि के क्षेत्रों के साथ) होने के योग्य है। कृषि–पारिस्थितिकी–सह–सटीक खेती, पड़ोस के लिए सामाजिक प्रतिबद्धता – चिकित्सा शिविर, आदि) और कई अनूठी विशेषताएं हैं जो महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देती हैं, स्थानीय और पड़ोसी पर्यावरण के विकास, सिग्मा 6QVA, आदि के माध्यम से एक स्थायी स्वास्थ्य देखभाल आवास (Sustainable Health-Care Habitat) का निर्माण।

(प्रो. वी.बी. गुप्ता)

सूचना केंद्रों से समाचार

- सूचना केन्द्र मुरार में गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सतसंग कालोनी मुरार में रहने वाले सतसंगी भाई बहिनों सहित अन्य लोगों को समारोह देखने के लिए आमंत्रित किया गया था। सभी स्ट्रीम के छात्र और शिक्षक मुख्यालय से प्रसारण में शामिल हुए। मार्च पास्ट व शपथ ग्रहण का भी आयोजन किया गया था। ओ एसी ओ कार्यक्रम की एक छात्रा सुश्री संजीदा ने एक अंग्रेजी भाषण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर इलेक्ट्रिशियन कोर्स के छात्र–छात्राओं ने एक्शन गीत और डी डी टी की छात्रा माधुरी ने स्वयं रचित शायरी प्रस्तुत की।

- DEI ICT ODL कैंपस, बैंगलोर ने 5 फरवरी 2023 को DDT मेंटर श्रीमती PSM लक्ष्मी और TDP मेंटर श्रीमती पारुल और उनके कर्मचारियों के मार्गदर्शन में DDT और TDP के छात्रों द्वारा निर्मित उत्पादों की एक प्रदर्शनी सह बिक्री का आयोजन किया। साथ ही, LED बल्ब (TEJ) 9 वाट का, इन्क्यूबेशन सेंटर के प्रभारी श्री टी. प्रीतम द्वारा डिजाइन किया गया और संकाय सदस्यों के निर्देशन में छात्रों द्वारा इकट्ठा किया गया, बिक्री के लिए उपलब्ध था। इनके अलावा, डी.ई.आई. आई सी टी, बैंगलोर केंद्र द्वारा प्रदान किए जाने वाले सभी कार्यक्रमों/पाठ्यक्रमों की जानकारी भी आगंतुकों को उपलब्ध कराई गई थी। प्रदर्शनी की सभी ने सराहना की।

संस्थापक दिवस समारोह 2023

डी.ई.आई. बिरादरी में मनाए जाने वाले सबसे यादगार अवसरों में से एक संस्थापक दिवस है, जिसे 'ओपन डे' के रूप में मनाया जाता है क्योंकि संस्थान आगंतुकों के लिए अकादमिक और गैर–शैक्षणिक दोनों क्षेत्रों में अपने मूल्य–उन्मुख, अभिनव और सामाजिक रूप से प्रासंगिक प्रथाओं में झाँकने के लिए अपने द्वार खोलता है। डी.ई.आई. के विभिन्न केंद्रों पर आयोजित बहुआयामी गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण नीचे प्रस्तुत किया गया है:

विशाखापत्तनम सिटी सेंटर में, केंद्र प्रभारी ने सभी को कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया और मेहमानों का परिचय सुश्री वी राजा कुमारी (उप प्रधानाचार्य, अलवरदास पब्लिक स्कूल) और श्री. वी दक्षिणा मूर्ति, केंद्र प्रभारी, दयाल नगर डी.ई.आई. केंद्र। श्री. वी दक्षिणा मूर्ति ने संस्थापक दिवस के महत्व के बारे में बताया और शिक्षण संस्थानों के साथ एम ओ यू कर के केंद्र में टेक्सटाइल से जुड़े कोर्स शुरू करने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने छात्रों से सुझाव देने और अपने अनुभव साझा करने को भी कहा। कार्यक्रम के दौरान **मुरार केंद्र** में परम श्रद्धेय डॉ. एम.बी. लाल साहब की जीवनी को एक डी डी टी छात्र द्वारा प्रस्तुत किया गया। इलेक्ट्रीशियन कोर्स के छात्रों ने देशभक्ति पर आधारित नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। समारोहों के दौरान रजिस्टर–बैलेंसिंग रेस, बैट–बॉल बैलेंसिंग रेस, स्लो साइकिल रेस, बोरा रेस, मंकी रेस आदि का भी आयोजन किया गया। छात्रों ने थर्मल पावर, रेनवाटर हार्वेस्टिंग, सोलर पैनल, रीसायकल एनर्जी जेनरेटर आदि जैसे वर्किंग मॉडल तैयार किए थे और प्रदर्शित किए। संबंधित

पाठ्यक्रमों की सभी कक्षाओं को छात्रों द्वारा तैयार किए ये गए टूल, उपकरण और चार्ट से सजाया गया था।
एम जी आर एस ए के क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री. पी एस मल्होत्रा **पुणे सेंटर** में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। जिला सचिव श्री. इस मौके पर स्वामी दास भी इस मौके पर मौजूद थें। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती विधि निगम ने किया। स्थापना दिवस पर आधारित एक रोचक क्विज का आयोजन श्री. अमल सिन्हा. द्वारा किया गया। "धर्मशास्त्र के महत्व" पर प्रो. गौरव भल्ला. द्वारा एक प्रस्तुति दी गई। तमन्ना भवनानी द्वारा तैयार की गई सतसंग संस्कृति और चेतना की एक शब्द–खोज पहेली दर्शकों को हल करने के लिए दी गई, जिसके बाद कोविड–19 महामारी के बाद सामान्य स्थिति के बारे में केंद्र प्रभारी सुश्री विनीता भावनानी द्वारा संचालित एक खुली चर्चा हुई। **चेन्नई केंद्र** में, ड्रेस डिज़ाइनिंग और टेलरिंग कोर्स के छात्रों द्वारा बनाए गए परिधानों के साथ–साथ धर्मशास्त्र के छात्रों के अनुसंधान परियोजनाओं को प्रदर्शित किया गया। चेन्नई सतसंग शाखा के सदस्यों और अन्य लोगों ने केंद्र का दौरा किया और छात्रों द्वारा बनाए गए उत्पादों की प्रदर्शनी की सराहना की। चेन्नई सेंटर के फैकल्टी सदस्यों और छात्रों द्वारा पवित्र शब्दों का पाठ भी किया गया।

पनवेल केंद्र, को सुंदर रंगोली से सजाया गया था। DEI के प्रिय संस्थापक और संस्थान के मूल मूल्यों के बारे में DEI के एक वरिष्ठ पूर्व छात्र द्वारा एक ज्ञानवर्धक भाषण दिया गया। छात्रों ने मूल्य आधारित शिक्षा के वास्तविक अर्थ को आत्मसात किया और उसकी सराहना की। छात्रों ने अपना परिचय दिया और पाठ्यक्रम में शामिल होने के लिए अपनी प्रेरणा के बारे में संक्षेप में बताया। उन्होंने उनके लिए आयोजित अभिनव खेलों में भी भाग लिया। डी.ई.आई. **सूचना केंद्र मुंबई** ने 31 जनवरी 2023 को स्थापना दिवस मनाने के लिए सजावट के साथ एक उत्सव का रूप धारण किया। **मुंबई केंद्र** में समारोह की शुरुआत विश्वविद्यालय प्रार्थना के साथ पवित्र चरणों में श्रद्धासुमन अर्पित करने के बाद कोरस में पाठ के साथ हुई। केंद्र प्रभारी ने स्थापना दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके बाद भक्ति संगीत, शायरी, कविता पाठ और प्रतिभागियों के अनुभवों का वर्णन किया गया। समारोह का समापन प्रार्थना और विश्वविद्यालय गीत के साथ हुआ।

DEI **सूचना केंद्र देवघर** में स्थापना दिवस श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। इस शुभ दिन पर कुछ पूर्व छात्रों सहित 50 मेहमानों का जमावड़ा शामिल हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी ने सक्रिय योगदान दिया। समारोह के अंत में मिठाई बांटी गई। **रुड़की केंद्र** में पावन पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। परिसर को एल ई डी लाइटिंग से रोशन किया गया था और रंग–बिरंगी झंडियों से खूबसूरती से सजाया गया था। केंद्र प्रभारी ने अपने स्वागत भाषण में डी.ई.आई. शिक्षा पर कुछ मुख्य बिंदुओं के साथ इस शुभ दिन के महत्व के बारे में बताया। एक 'भक्ति संगीत' कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें केंद्र के सभी शिक्षकों ने पवित्र पुस्तकों से 'शब्द' का पाठ किया। DEI से भक्ति संगीत प्रसारण का मधुर गायन भी प्राप्त हुआ।

भोपल केन्द्र में ओपन डे बड़े उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। दर्शकों के समक्ष एक जीवंत कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। केंद्र प्रभारी श्रीमती कोमल कपूर द्वारा एक स्वागत भाषण दिया गया, जिसके बाद डॉ. डी.पी. सिंह द्वारा श्रद्धेय संस्थापक डॉ. एम.बी. लाल साहब को समर्पित एक स्वरचित कविता का गायन किया गया। अन्य रोचक गतिविधियों में एक सूचनात्मक सत्र 'अपने पैरों को संतुलित करें', अवलोकन करें, सोचें व कार्य करें शामिल था। सभी आयु वर्ग के प्रतिभागियों ने आनंद लिया और अपने ज्ञान में वृद्धि की। **दयालनगर, विशाखापत्तनम केंद्र** ने उत्साह और उल्लास के साथ स्थापना दिवस मनाया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए शाखा सचिव डॉ. आई वेंकट राजेश, जिला सचिव श्री के मुरलीधर राव, सत्संग कॉलोनी के निवासी, छात्रों और स्टाफ के सदस्यों ने भाग लिया। समारोह के मुख्य अतिथि प्रोफेसर (डॉ.) अक्कुभुलला सरमा, आंध्र विश्वविद्यालय से संस्कृत के सेवानिवृत्त प्रोफेसर थे। डॉ. आई राजेश वेंकट, शाखा सचिव ने उद्घाटन भाषण दिया। केंद्र प्रभारी, श्री वी दखिना मूर्ति ने दिवस के महत्व पर टिप्पणी की और संस्थान के सम्मानित संस्थापक पर एक जीवनी नोट पढ़ा। मुख्य अतिथि ने सभा को संबोधित किया और शिक्षा के महत्व और आत्मविश्वास विकसित करने के तरीकों के बारे में बताया। विभिन्न कार्यक्रमों के विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई वस्तुओं की प्रदर्शनी भी लगाई गई। इस अवसर को बड़े उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। **लुधियाना** कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना के साथ हुई जिसके बाद विश्वविद्यालय गीत और मुख्य अतिथि श्री जी एस राय ने दीप प्रज्जवलित किया। परिसर को चार्ट, मॉडल, वर्किंग मॉडल, लाइटिंग, बंटिंग, गुब्बारों आदि से खूबसूरती से सजाया गया था। इलेक्ट्रीशियन, एम.ओ.एम.एस.पी, डीडीटी, एमवीएम, बीबीए और बीसीओएन कक्षाओं के सभी छात्रो ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

करोलबाग केंद्र में छात्रों द्वारा इस दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए एक लघु सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। अन्य मदों में देशभक्ति कविताओं का पाठ और संत (सु) स्थायी विकास योजना के एक सदस्य द्वारा प्रस्तुत एक एक्शन गीत शामिल था। कुछ गणमान्य व्यक्तियों ने अपने नौकरी के अनुभव साझा किए और छात्रों को बहुमूल्य जानकारी दी। केन्द्र प्रभारी श्री राजीव ग्रोवर ने धन्यवाद ज्ञापन किया तथा विश्वविद्यालय गीत के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

सिकंदराबाद केंद्र में संस्थापक दिवस का आयोजन एक वर्चुअल मोड में किया गया था, जिसमें जुड़वा शहरों के पूर्व छात्रों, फैकल्टी और अन्य आमंत्रित लोगों ने भाग लिया था। केंद्र प्रभारी ने गर्व से साझा किया कि कैसे DEI अपनी अकादमिक खोज में उत्कृष्टता दिखाने में लगातार

अद्वितीय है। वक्ताओं ने श्रद्धेय संस्थापक डॉ. एम. बी. लाल साहब के जीवन इतिहास को कवर किया। संत सु (प्रति) मानव योजना के बच्चों ने विज्ञान प्रयोग प्रस्तुत किए। पूर्व छात्रों ने वीणा पर कृति बजाई। पिछले 14 वर्षों में ड्रेस डिजाइनिंग और टेलरिंग और ब्लॉक प्रिंटिंग से छात्रों द्वारा बनाई गई कलाकृतियों का एक पूरा वीडियो सभी प्रतिभागियों के साथ साझा किया गया।

विदेशी डी.ई.आई. केंद्रों के बीच, **टोरंटो शाखा** कैम्ब्रिज, ऑटारियो में सत्संग घर में स्थापना दिवस मनाया गया।

सी आर सी के बच्चों द्वारा विशेष स्मारिका से ली गई सर्वशक्तिमान की कृपा और दया के कुछ विशेष अनुभव प्रस्तुत किए गए। सुपरमैन स्कीम के बच्चों ने परम गुरु हुजूर मेहता जी महाराज का एक बचन पढ़ा। इसके बाद बच्चों और युवाओं ने पवित्र शब्दों का पाठ किया। **अटलांटा शाखा** ने बसंत उत्सव के साथ स्थापना दिवस मनाया। वस्तुतः अटलांटा, डलास, फ्लोरिडा और ह्यूस्टन के छात्र और वयस्क इस विशेष अवसर को मनाने के लिए एक साथ आए।

अटलांटा के बच्चों द्वारा की गई एक प्रारंभिक प्रार्थना, श्रीमती गीता पटेल द्वारा संचालित दयालबाग का 'ई–विज़िट (आभासी दौरा)', श्री सोम नेमानी द्वारा एक संवाद सत्र जिसमें बच्चों ने अंग्रेजी, हिंदी, संस्कृत में बसंत तथ्य और संदेश दिए, शामिल थे। श्रीमती मधुलिका नेमानी द्वारा आयोजित 'हैप्पी बर्थडे बसंत' सत्र, श्रीमान वसंत और श्रीमती शब्दा यादगिरी द्वारा डॉ. मकुंद बिहारी लाल साहब पर एक प्रस्तुति और ह्यूस्टन के बच्चों द्वारा समापन प्रार्थना गाई गई।

Pune

Murar

Vizag City

Panvel

Deoghar

Bhopal

Ludhiana

Toronto

Atlanta

Mumbai

खण्ड 'ग' : डी.ई.आई. के भूतपूर्व छात्र (AADEIs & AAFDEI)

संपादक की डेस्क से

एक शिक्षक पूछता है, ''क्या आपने पूर्णिमा द्वारा डाली गई छाया को देखा है?'' दुनिया के लाखों बच्चों के लिए इसका जवाब नहीं है, क्योंकि आसमान की जगह शहरों पर लगातार भूरी धुंध छाई हुई है। भूकंप, बेकाबू वनों की कटाई और बढ़ते प्रदूषण के स्तर यह साबित करते हैं कि हम पर्यावरण की देखभाल के साथ आर्थिक प्रगति को संतुलित करने में विफल रहे हैं। जागरूकता पैदा करने के लिए वन्यजीव फोटोग्राफी के उपयोग पर इस अंक का लेख संरक्षण और सुरक्षा के कई तरीकों में से एक की ओर इशारा करता है। यदि हम संरक्षण के प्रति गंभीर हैं, तो कार्य करने का समय अभी है, इससे पहले कि बहुत देर हो जाए! दयालबाग जीवन शैली में अंतर्निहित मूल्य प्रणाली, विशेष रूप से प्रकृति के करीब रहने वाला जीवन, ''प्रकृति के हाथ में गहरी सुनवाई'' लेख में अच्छी तरह से सामने आया है।

एक पुरानी मूल अमेरिकी किंवदंती के अनुसार, और इसकी व्याख्या उन लोगों द्वारा की गई जिन्होंने इसे अपने बच्चों को दिया, एक हमिंगबर्ड, अपनी छोटी सी चोंच में पानी लाकर जंगल की आग बुझाने की कोशिश कर रही थी, अन्य जानवरों द्वारा हँसी उड़ाई गई। उसका जवाब था, ''मैं जंगल का हिस्सा हूं और जंगल मेरा हिस्सा है। मुझे पता है कि मैं आग नहीं बुझा सकती, लेकिन मुझे अपना काम

करना होगा, अगर हम दुनिया की सभी समस्याओं का समाधान नहीं ढूंढ सकते हैं, तो हम कम से कम ब्रह्मांड के हमारे व्यक्तिगत कोने में भाग ले सकते हैं। यदि प्रत्येक व्यक्ति ऐसा करता है, तो दुनिया खुद को बचाती है!"

हम अपने पाठकों को अपने विचार साझा करने के लिए आमंत्रित करते हैं और उन्हें aadeisnewsletter@gmail.com से सुनने के लिए उत्सुक हैं !

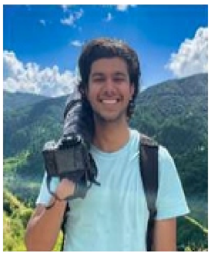

वन्यजीव फोटोग्राफी के माध्यम से जीव विज्ञान के संरक्षण के प्रति जागरूकता

प्रणय भटनागर, बैचः बी एस सी जंतु विज्ञान (2020), एम एस सी जंतु विज्ञान (2022)
वर्तमान में इंटर्न, भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून

संरक्षणवादियों और वन्यजीव विज्ञानियों द्वारा इस बात पर जोर दिया गया है कि पृथ्वी पर पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में प्रत्येक प्रजाति की महत्त्व पूर्ण भूमिका है। उन्होंने बार–बार आगाह किया है कि प्रत्येक प्रजाति जीवतंत्र का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा है और अगर वह विलुप्त हो जाती है, तो हमारे पारिस्थितिकी तंत्र के लिए बेहद खतरनाक हो सकती है और इसलिए, वन्यजीव संरक्षण की आवश्यकता को समझना बहुत महत्त्वपूर्ण है।

मेरी राय में, संरक्षण जीव विज्ञान के प्रति किसी की चेतना को उत्तेजित करने के कई तरीकों में से एक वन्यजीव फोटोग्राफी माध्यम है क्योंकि यह दृश्य और मनोविज्ञान दोनों तत्वों को जोड़ती है। ट्विटर और इंस्टाग्राम फोटो–चालित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हैं जो भौगोलिक रूप से विविध उपयोगकर्ता भीड़ को प्रभावित करने के लिए शक्तिशाली उपकरण के रूप में कार्य कर सकते हैं और उन्हें पारिस्थितिक तंत्र और जैव विविधता के संरक्षण जैसे संवेदनशील मुद्दों के प्रति संवेदनशील बना सकते हैं। मेरे व्यक्तिगत अनुभव में, ये मंच बहुत प्रभावी हो सकते हैं यदि जागरूकता पैदा करने वाले शिक्षाप्रद कैप्शन के साथ वन्यजीव तस्वीरें अपलोड की जाएं। अपनी इंटर्नशिप और अपने अल्मा मेटर में जैव विविधता अनुक्रमण के दौरान खींची गई वन्यजीव तस्वीरों ने न केवल उस समय मेरे साथियों को प्रभावित किया बल्कि मेरे सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से परिसर के बाहर के लोगों तक भी पहुंचा। इसने टाइम्स ऑफ इंडिया के एक युवा रिपोर्टर का ध्यान भी आकर्षित किया था, जिन्होंने वर्ष 2020 में अपने लेख में मेरे अनुभव को प्रस्तुत किया था।

दयालबाग साइंस ऑफ कॉन्शियसनेस मेरी मातृ संस्था में चेतना पर एक बहुत ही महत्त्वपूर्ण विचार चर्चा मंच है, जहां युवा विद्वानों और शोधकर्ताओं को भी अपने शोध को प्रस्तुत करने का अवसर मिलता है। मैंने अपने विषय को कम प्रतिनिधित्व वाले टैक्सा पर प्रस्तुत करने का एक छोटा सा प्रयास भी किया। दयालबाग एक 'स्वास्थ्य देखभाल आवास' के रूप में अपने निवासियों और डीईआई में आवासीय छात्रावास में रहने वाले छात्रों के लिए प्रदूषण मुक्त वातावरण सुनिश्चित करता है। जीव विज्ञान में मेरे स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए इस शांत पारिस्थितिकी तंत्र में रहने के दौरान, और विशेष रूप से डीईआई में मेरे खेती के सत्रों के दौरान, मुझे इसकी व्यापक जैव विविधता को जानने का सौभाग्य मिला, जिसमें एक रेड नेप्ड आइबिस भी शामिल है। जिसे बी बी सी वाइल्ड लाइफ पत्रिका में दिन की तस्वीर के रूप में चित्रित किया गया था।

मास मीडिया कार्यक्रम बहुत अधिक प्रतिनिधित्व वाली प्रजातियों के लिए लगातार जागरूकता उत्पन्न करते हैंय हालाँकि, मेरा मानना है कि उपेक्षित वन्यजीवों और कम प्रतिनिधित्व वाले करों को शामिल करने वाले मुद्दों का समान रूप से प्रतिनिधित्व किया जाना चाहिए। यह केवल तभी होगा जब टैक्सा का संतुलित, निष्पक्ष और न्यायसंगत प्रतिनिधित्व होगा, मानव सामूहिक रूप से अपनी भूमिका और उम्र बढ़ने वाले ग्रह के प्रति जिम्मेदारी के प्रति सचेत हो जाएगा।

गहन श्रवण में प्रकृति का योगदान

गजल माथुर, पी एच.डी (चेतना अध्ययन) कर रहे हैं, डी.ई.आई.,
वर्तमान में वरिष्ठ कॉर्पोरेट ट्रेनर

"सुबह के एक मौन क्षण में, एक मौन स्वर के साथ मैं प्रार्थना करती हूँ, कृपा के मौन पंखों पर मौन सूर्योदय की भेंट चढ़ाने के लिए।"
–मैरी डेविस

जब जीवन अराजक हो जाता है – ऐसा क्यों है कि हम अपनी शांति को पुनः प्राप्त करने के लिए प्रकृति की ओर देखते हैं? प्रकृति की पुनर्स्थापनात्मक शक्तियाँ एक सुस्थापित तथ्य हैं। थकान होने पर हम सभी हरी चरागाहों और बहती धाराओं की ओर देखते हैं। प्रकृति के दृश्य इंद्रियों के तुष्टीकरण का एक निरंतर स्रोत हैं ... लेकिन प्रकृति के चमत्कार यहीं समाप्त नहीं होते हैं।

पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय, एल्सेवियर और अन्य प्रसिद्ध पत्रिकाओं द्वारा प्रकाशित कई अध्ययनों ने निष्कर्ष निकाला है कि प्रकृति के संपर्क में आने के 15–20 मिनट भी न केवल मानसिक विश्राम में सहायक होते हैं बल्कि वास्तव में मानसिक तीक्ष्णता और बढ़ी हुई गणितीय क्षमता को बढ़ावा देते हैं। चूंकि मैं चेतना अध्ययन (डी.ई.आई.) में पी एच.डी कर रही हूँ, इसलिए सम्मानित संस्थापक निदेशक द्वारा परिकल्पित डी.ई.आई. की शिक्षा नीति की प्रतिभा से मैं खुद को लगातार चकित पाती हूँ। प्रत्येक विश्वविद्यालय को अपने सभी छात्रों में एकाग्रता में सुधार करने का प्रयास करना चाहिए। डी.ई.आई. ने सबसे अनोखे तरीके खोजे हैं...दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्युट उन कुछ विश्वविद्यालयों में से एक है, जो सभी छात्रों के लिए आवश्यक ग्रामीण जीवन का प्रदर्शन करता है। यह काफी मास्टरस्ट्रोक है – जैसा कि प्रकृति के तत्वों के संपर्क में आने से न केवल छात्र को ग्राउंडिंग करने में मदद मिलती है, बल्कि उन्नत अनुभूति का अतिरिक्त लाभ होता है।

अनुभूति भी दो प्रकार की होती है –

- मानसिक अनुभूति (प्रकृति के संपर्क में आने से एकाग्रता में सुधार होता है)
- गहन अनुभूति (बेहतर एकाग्रता को बढ़ावा देता है) **गहन श्रवण**

गहन श्रवण को कई तरीकों से समझा और परिभाषित किया जा सकता है, लेकिन बड़े पैमाने पर, यह किसी भी मानसिक क्षमता से अधिक गहरे संबंध पर टिका होता है – यह एक आंतरिक प्रक्रिया है और इसमें न केवल हमारे बल्कि ब्रह्मांड के सामंजस्य में जुड़ाव शामिल है। यह हमारे अस्तित्व के मूल में है और उच्च चेतना के लिए सीढ़ी है। हाल के दिनों में, एक अध्ययन किया गया है जिसमें छोटे बच्चों (3 सप्ताह – 8 वर्ष) को सुबह या शाम प्रकृति के तत्वों के संपर्क में रखा जाता है – इसके साथ–साथ उनके परम श्रद्धेय आध्यात्मिक गुरु की उपस्थिति में एक तीव्र झुकाव हुआ है उनके भौतिक मापदंडों के साथ–साथ बढ़ी हुई बुद्धि, सामाजिक और भावनात्मक परिपक्वता के साथ–साथ सहज और आध्यात्मिक संकायों का विकास।

आइए बस यह कहते हुए निष्कर्ष निकालें कि प्रकृति की ध्वनियाँ मूल ध्वनियाँ हैं, या यूँ कहें कि हमारी आत्मा की पुकार हैं। इसके बाद अन्य सभी शैक्षणिक संस्थानों को भी इसी प्रकार प्रत्येक छात्र में गहराई से सुनने में सक्षम होने की क्षमता पैदा करनी चाहिए।

सलाह उत्कृष्टता कार्यक्रमः एक प्रगति रिपोर्ट

पल्लवी सतसंगी शर्मा द्वारा संकलित
बैचः एम बी एम, डी.ई.आई., 1996
वर्तमान में, निदेशक, मानव संसाधन संचालन, एनएक्सपी सेमीकंडक्टर्स

इसका उद्देश्य डी.ई.आई. के पूर्व छात्रों और हाल ही में संस्थान के **मेंटरिंग एक्सीलेंस प्रोग्राम** के छात्रों को एक साथ लाना है, जो अपने रोजगार के पहले वर्ष में हैं और जिन्होंने अभी–अभी अपनी पेशेवर यात्रा शुरू की है। ध्यान देने वालों के कैरियर के पहले वर्ष के दौरान समग्र और करियर–आधारित परामर्श प्रदान करना है। यह कार्यक्रम पूर्व छात्रों–सलाहकारों को नौकरी से संबंधित भलाई और उनके संरक्षकों के आत्मविश्वास में वृद्धि के लिए अपनी अंतर्दृष्टि और अनुभव साझा करने की अनुमति देकर पेशेवर विकास की सुविधा प्रदान करता है। प्रशिक्षक –प्रशिक्षुओं का यह दीर्घकालिक संबंध, प्रशिक्षुओं को उनके कैरियर की आकांक्षाओं को प्राप्त करने में मदद करता है।

मार्च 2022 को लगभग नौ महीने हो चुके हैं, जब मेंटरिंग एक्सीलेंस प्रोग्राम को पहले चंडीगढ़ और दिल्ली एन सी आर चौप्टर्स द्वारा संचालित किया गया था और फिर एम बी ए पास–आउट बैच के लिए शुरू किया गया था। प्रभावी रूप से, बारह मेंटीज ने अब तक अपना सत्र पूरा कर लिया है, जो कि कार्यक्रम के लिए पंजीकृत कुल संख्या का 50% है। अगले चरणः फरवरी 2023 के अंत तक, अन्य प्रशिक्षुओं को अपने प्रशिक्षकों के साथ जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। उनके अनुभव और प्रगति का आंकलन और समीक्षा करने के लिए कार्यक्रम पर फीडबैक दोनों सलाहकारों से लिया जाएगा।

प्रतिभागियों का एक स्नैपशॉट

वर्चुअल सत्र के दौरान चंडीगढ़ और दिल्ली एनसीआर चौप्टर के ए ए डी.ई.आई. सदस्य प्रोजेस्ट की प्रगति की समीक्षा करते हुए
ऊपर बाएं से दाएं : सुश्री पल्लवी सत्संगी शर्मा, श्री विवेक निगम, श्री सुगम सरन सक्सेना
नीचे बाएं से दाएंः सुश्री सुवीरा सिन्हा सिंह, श्री मनमोहन खन्ना, सुश्री पूनम चुम

चंडीगढ़ चौप्टर वर्चुअल मेंटरिंग सेशंस इन प्रोग्रेस में से एक शीर्ष
बाएं से दाएं: सुश्री पूनम चुम, श्री मनीष सिंहय नीचे: श्री मनमोहन खन्ना

दिल्ली एन सी आर चौप्टर में से एक वर्चुअल मेंटरिंग सत्र प्रगति पर है
श्री मगेंद्र प्रताप सिंह अपनी मेंटर सुश्री पल्लवी सतसंगी शर्मा के साथ

पूर्व छात्र बाइट्स

दयालबाग़ में शिक्षा की सबसे बड़ी उपलब्धि है...

''...जीवन जीने का तरीका। DEI आपको एक पूर्ण इंसान बनाता है और आपको जीवन की जिम्मेदारियों को धैर्य और सहजता से निभाना सिखाता है। यह एक ऐसी जगह है जहाँ कोई शिक्षा का सही अर्थ सीखता है।''

- **आशीष तिवारी, बैचः एम बी एम (2000)**
  वर्तमान में वाइस प्रेसिडेंट, ऑपरेशंस कंट्रोल यूनिट, टाटा ए आई जी जनरल इंश्योरेंस

''...जिज्ञासा की भावना ताकि मैं वास्तविक दुनिया की समस्याओं के समाधान खोजने के लिए अपने ज्ञान का उपयोग करने में सक्षम हो सकूं। डीईआई में बिताए दस वर्षों ने मुझे नैतिक जीवन जीने के लिए जीवन के सबक दिए हैं।''

- **व्योमा सिंगला, बैचः पी जी डी टी (2014), पी एच.डी रसायन विज्ञान(2013), एम एस सी रसायन विज्ञान (2008) वर्तमान में, प्रोजेक्ट हेड, मैसर्स फाइबरियम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, फैसिलिटेटर, डी.ई.आई. यमुना नगर सूचना केंद्र।**

प्रकाशन समितियाँ / सम्पादकीय बोर्ड

डी.ई.आई
संरक्षक: प्रो. पी.के. कालरा
मुख्य संपादक: प्रो. जे.के. वर्मा
संपादक: डॉ. सोना दीक्षित, डॉ. सोनल सिंह, डॉ. अक्षय कुमार सत्संगी, डॉ. बानी दयाल धीर
सदस्यों: डॉ. चारु स्वामी, डॉ. नेहा जैन, डॉ. सौम्या सिन्हा, श्री आर.आर. सिंह, प्रो. प्रवीण सक्सेना, प्रो. वी. स्वामी दास, डॉ. रोहित राजवंशी, डॉ. भावना जौहरी
सलाहकार: प्रो. एस.के. चौहान
अनुवादक: डॉ. नमस्या, डॉ. निशीथ गौड़

डी.ई.आई.–ओ.डी.ई. (डी.ई.आई. ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा)
संरक्षक: प्रो. पी.के. कालरा, प्रो. वी.बी. गुप्ता
संपादकीय सलाहकार: प्रो. एस.के. चौहान, प्रो. जे.के. वर्मा
संपादकीय मंडल: डॉ. सोनल सिंह, डॉ. मीना पायदा, डॉ. लॉलीन मल्होत्रा, डॉ. बानी दयाल धीर, श्री राकेश मेहता
अनुवादक: डॉ. स्वामी प्यारी कौड़ा

डी.ई.आई. Alumni (AADEIs & AAFDEI)
संपादक: प्रो. गुर प्यारी जंडियाल
संपादकीय समिति: डॉ. सरन कुमार सतसंगी, प्रो. साहब दास, डॉ. बानी दयाल धीर, श्रीमती शिफाली सत्संगी, श्रीमती अरुणा शर्मा, डॉ. स्वामी प्यारी कौड़ा, डॉ. गुरप्यारी भटनागर, डॉ. वसंत वुप्पुलुरी
अनुवादक: डॉ. स्वामी प्यारी कौड़ा

प्रशासनिक कार्यालयः पहली मंजिल, 63, नेहरू नगर, आगरा –282002।
पंजीकृत कार्यालयः 108, साउथ एक्स प्लाजा –1, साउथ एक्सटेंशन पार्ट II, नई दिल्ली–110049।

चित्रण, मुद्रण एवं ई–प्रकाशनः दयालबाग़ प्रेस